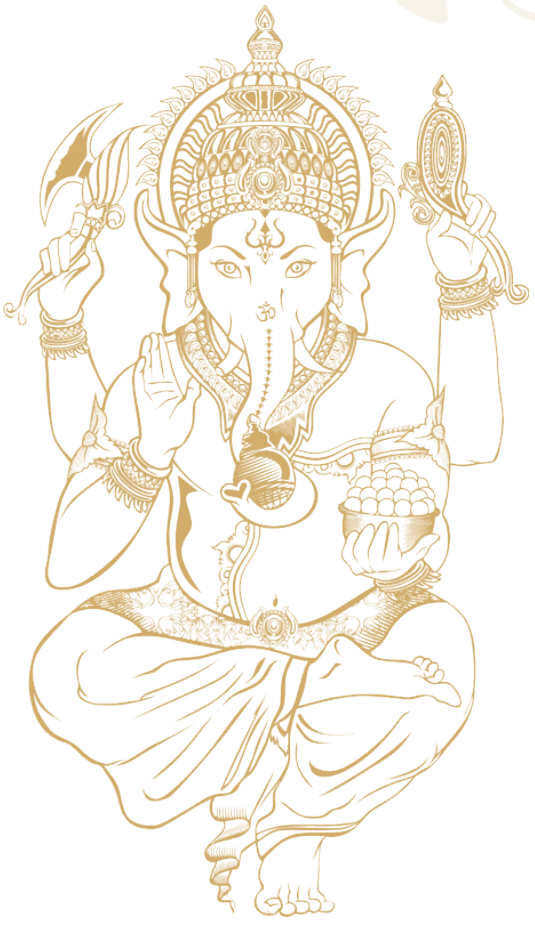

Mr.Anurag

Ms.Varsha

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121366003

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
25/07/2002	जन्म तिथि	22/05/2002
गुरुवार	दिन	बुधवार
घंटे 07:15:00	जन्म समय	06:25:00 घंटे
घटी 04:00:57	जन्म समय(घटी)	02:24:02 घटी
India	देश	India
Ballabgarh	स्थान	Ballabgarh
28:20:00 उत्तर	अक्षांश	28:20:00 उत्तर
77:19:00 पूर्व	रेखांश	77:19:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:20:44	स्थानिक संस्कार	-00:20:44 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:38:37	सूर्योदय	05:27:23
19:15:25	सूर्यास्त	19:07:42
23:53:19	चित्रपक्षीय अयनांश	23:53:08

विंशोत्तरी चन्द्र 5वर्ष 4मा 0दि	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी सूर्य 1वर्ष 7मा 0दि
राहु	27:47:35	कर्क	लग्न	वृष	20:54:54	राहु
24/11/2014	08:04:50	कर्क	सूर्य	वृष	06:53:36	20/12/2020
24/11/2032	16:13:11	मक	चंद्र	कन्या	06:28:51	21/12/2038
राहु 06/08/2017	13:26:40	कर्क	मंगल	मिथु	01:51:21	राहु 03/09/2023
गुरु 31/12/2019	12:38:42	कर्क	बुध व	वृष	14:40:11	गुरु 26/01/2026
शनि 06/11/2022	04:24:38	कर्क	गुरु	मिथु	20:44:18	शनि 02/12/2028
बुध 25/05/2025	21:53:06	सिंह	शुक्र	मिथु	07:53:08	बुध 22/06/2031
केतु 13/06/2026	00:13:15	मिथु	शनि	वृष	22:11:29	केतु 09/07/2032
शुक्र 13/06/2029	23:11:40	वृष व	राहु व	वृष	24:03:12	शुक्र 10/07/2035
सूर्य 07/05/2030	03:57:20	वृश्चि व	केतु व	वृश्चि	24:03:12	सूर्य 03/06/2036
चन्द्र 06/11/2031	15:54:38	कुंभ व	हर्ष	कुंभ	04:53:29	चन्द्र 02/12/2037
मंगल 24/11/2032	21:16:53	मक व	नेप व	मक	17:04:33	मंगल 21/12/2038
		वृश्चि व	प्लूटो व	वृश्चि	22:49:00	

लग्न-चलित

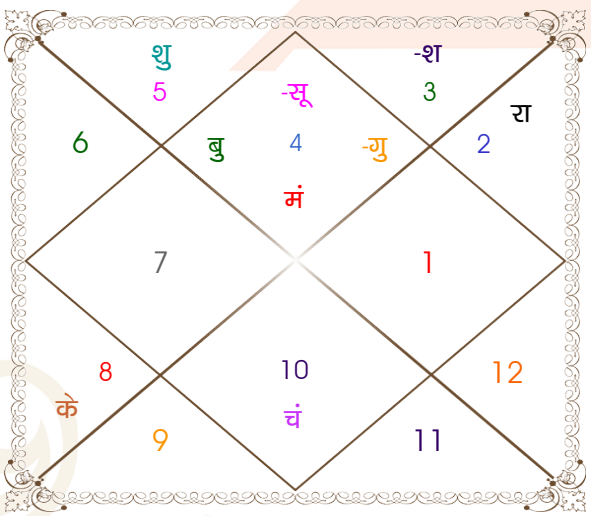

लग्न-चलित

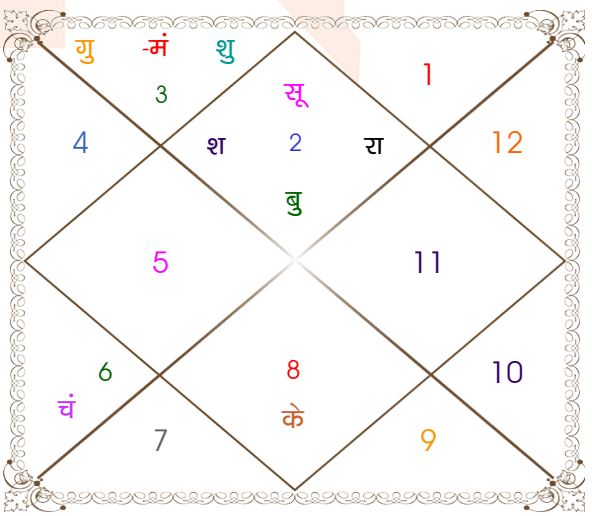

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	सम्पत	अतिमित्र	3	3.00	--	भाग्य
योनि	वानर	गौ	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	बुध	5	4.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मकर	कन्या	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	25.00		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

Mr.Anurag का वर्ग मार्जार है तथा डेण्टंर्ती का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गो में परस्पर शत्रुता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr.Anurag और डेण्टंर्ती का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr.Anurag मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Mr.Anurag कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं गुरु Mr.Anurag कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

डेण्टंर्ती मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत्।
तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्।।

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु डेण्टंर्ती कि कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा।
अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत्।।

शनि यदि एक की कुंडली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों में हों तो मंगल दौष नहीं लगता।

क्योंकि शनि डेण्टंर्ती कि कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr.Anurag तथा डेण्टंर्ती में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।